आज़ादी का अमृत महोत्सव

गाँधी दर्शन, शिक्षा एवं संस्कृति

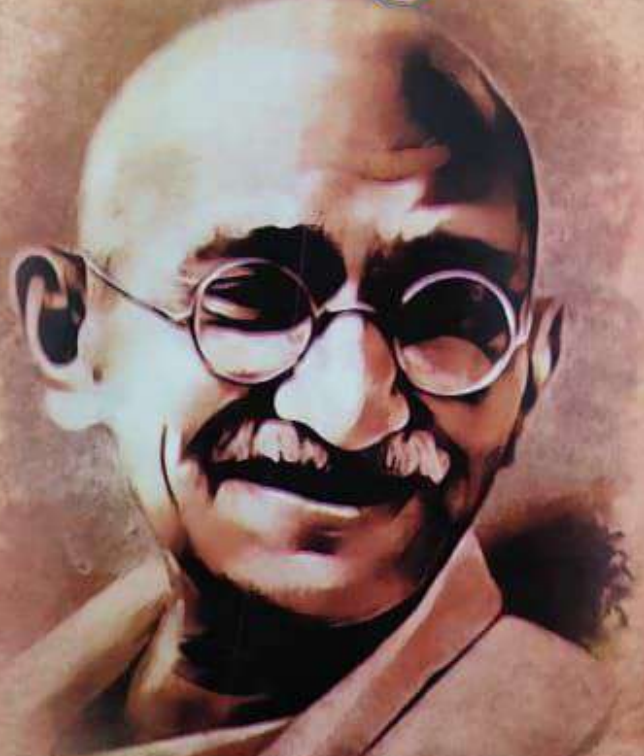

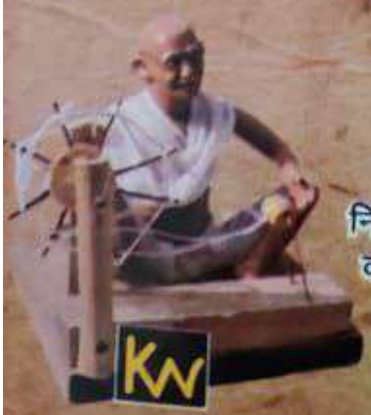

प्रधान संपादक

डॉ0 दीपंजय श्रीवास्तव

अध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग

निदेशक, योग और प्राकृतिक चिकित्सा विभाग

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा, झारखण्ड

विषय-सूची

1. गाँधी एवं अम्बेडकर के चिन्तन में वर्ण व्यवस्था : एक तुलनात्मक विवेचन	डॉ. द्वारका नाथ	1
2. समत्व योग तथा गाँधी दर्शन	डॉ. काकोली बसाक	13
3. Depiction of Gandhian Thought in ODIA Literature : with Special Reference to Poet Guru Prasad Mohanty	Dr. Harihar Padhan	26
4. Gandhi and Spirituality	Dr. Manoj Kumar Mohapatra	30
5. बाजारवाद के दौर में गाँधी की प्रासंगिकता	सुभाषचन्द्र गुप्त	34
6. महात्मा गाँधी का राज्य संबंधी विचार	डॉ0 ज्योति कुमारी	42
7. महात्मा गाँधी जी का विचार : दार्शनिक परिप्रेक्ष्य में	डॉ0 लक्ष्मी झा	47
8. मूल्य संकट का वर्तमान परिप्रेक्ष्य और गाँधी की चेतन दृष्टि	डॉ. धर्मजंग	51
9. गाँधी जी का सत्याग्रह : एक विमर्श	डॉ0 मनोज कुमार तिवारी	57
10. महात्मा गाँधी (1869–1948) : एक पत्रकार के रूप में	डॉ0 इन्द्रसेन सिंह	72
11. महात्मा गाँधी की दृष्टि में वर्ण व्यवस्था	डॉ0 आभा झा	77
12. साध्य-साधन संबंधी विचार : गाँधी के संदर्भ में	अमृता कुमारी	85
13. महात्मा गाँधी का ईश्वर–दर्शन	डॉ0 ममता गुप्ता	92
14. महात्मा गाँधी का समाज दर्शन	डॉ0 फौजिया परवीन	99
15. महात्मा गाँधी का धर्म–दर्शन	डॉ0 राम सुभग सिंह	108
16. महात्मा गाँधी का शिक्षा–दर्शन एवं व्यक्तित्व विकास	डॉ0 अशोक कुमार सिंह	115
17. महात्मा गाँधी का जगत–विचार	डॉ0 पंकज श्रीवास्तव	122
18. वर्तमान संदर्भ में गाँधी शिक्षा दर्शन की उपादेयता	डॉ0 राज कुमार चौबे	125

* प्रकाशित रचनाओं में निहित विचार लेखकों के स्वयं हैं, जिनका प्रधान संपादक या संपादक मंडल से कोई संबंध नहीं है।
* साहित्यिक चौर्य (plagiarism) के किसी भी दावे की स्थिति में पूरी जवाबदेही पुस्तक में शामिल किये गये आलेख के लेखक की होगी।
* किसी भी विवाद के निपटारे का न्यायिक क्षेत्र जमशेदपुर होगा।

प्रधान संपादक : डॉ० दीपंजय श्रीवास्तव

प्रथम संस्करण : 2022 **ई०**

ISBN : **978-81-959162-0-7**

मूल्य : ₹ 750

© **कोल्हाल विश्वविद्यालय, चाईबासा, झारखण्ड**

प्रकाशक :

Kishor Vidya Niketan

B-1301, Amarpali Green, Indirapuram,
Ghaziabad, U.P., Delhi/NCR 201014
email: kvnpublisher@gmail.com

मुद्रक

sfq
services & suppliers

संपादक परिचय

डॉ दीपंजय श्रीवास्तव

डॉ दीपंजय श्रीवास्तव का जन्म 03 नवंबर 1976 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में हुआ। माता का नाम- श्रीमती गायत्री श्रीवास्तव एवं पिता का नाम स्वर्गीय श्री जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव है। प्राथमिक शिक्षा से स्नातकोत्तर तक की शिक्षा वाराणसी से प्राप्त की। स्नातक (दर्शनशास्त्र सम्मान) प्रथम श्रेणी में तथा स्नातकोत्तर दर्शनशास्त्र में, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी से प्रथम श्रेणी में प्राप्त किया। शुरू से ही ये एक मेधावी छात्र रहे हैं। पी-एच.डी की उपाधि इन्होंने महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, से मई सन् 2003 ई. में प्राप्त की। काशी हिंदू विश्वविद्यालय से योग में प्रमाणपत्र कोर्स के साथ-साथ डिप्लोमा कोर्स भी इन्होंने किया। इनका कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में सक्रिय भागीदारी रही है। 35 से अधिक लेख विभिन्न प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में भारत के कई हिस्सों से प्रकाशित हुए हैं। इन्होंने कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं वर्कशॉप में सक्रिय रूप से भागदारी कर, अपना पेपर प्रस्तुत किया। पिछले लगभग 15 वर्षों का इनको स्नातक एवं स्नातकोत्तर दर्शनशास्त्र, विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों तथा योग के विद्यार्थियों को पढ़ाने का अनुभव रहा है। वर्तमान में ये कोल्हान विश्वविद्यालय, झारखंड, के स्नातकोत्तर दर्शनशास्त्र विभाग में 'विभागाध्यक्ष' के रूप में पदास्थापित है ,साथ ही साथ इसी विश्वविद्यालय में 'योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा विभाग' के 'निदेशक' भी हैं। इसके साथ ही साथ डॉ श्रीवास्तव कई प्रशासनिक अधिकारियों के कार्यों का भी अनुभव रखते हैं - जैसे एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी, खेल पदाधिकारी, आदि। इसके साथ ही साथ ऑल इंडिया सर्वे आफ हायर एजुकेशन (ए.आई. एस. एच. ई.) के समन्वयक के रूप में महाविद्यालय में कार्य कर चुके हैं। ये महाविद्यालय में इनकम बर्सर (आय कोषाध्यक्ष) के पद पर भी रह चुके हैं। इन्हें 'सर्टिफिकेट आफ एप्रीसिएशन' का भी अवार्ड मिल चुका है। यह इनकी तीसरी पुस्तक है - पहला 'अद्वैत वेदांत तथा शैव सिद्धांत में परमतत्व'। दूसरा योगासन, प्राणायाम - असाध्य रोगों से मुक्ति । तीसरी- गांधी दर्शन,शिक्षा एवं संस्कृति। लेखन एवं शोध कार्यों में इनकी विशेष रूचि है।

-प्रकाशक

Year : 2022

₹ 750/-

ISBN : 978-81-959162-0-7

9 788195 916207

KISHOR VIDYA NIKETAN
GHAZIABAD

Books Available on flipkart amazon.com